

ग्रसाथ।रण

EXTRAORDINARY

भाग II--खाड 3--उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 386]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 26, 1975/मादिवन 4, 1897

No. 386]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 26, 1975/ASVINA 4, 1897

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संख्या वी जाली है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 26th September 1975

S.O. 540(E)/18A/IDRA/75.—In exercise of the powers conferred by Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 14(E), dated the 3rd January, 1974, namely:—

In the said Order, for serial No. 4 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

"4. Shri M. M. Lal, Consultant, National Industrial Development Corporation, Yashwant Place, Chanakyapuri, New Delhi."

[No. F. 2/16/73-CUC]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

उद्योग ग्रौए मागरिक पूर्ति मंत्रालय (ग्रौद्योगिक विकास विभाग)

का देश

नई दिल्ली, 26 मितम्बर, 1975

का० आ० 540 (अ)/18ए/आई०डी०आर०ए०/75.—उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश संख्या का० आ० 14 (अ), तारीख 3 जनवरी, 1974 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उन्त ग्रादेश में, ऋम संख्या 4 श्रीर उससे सम्बन्धित प्रविध्टि के स्थान पर निम्निर्णाखत ऋम संख्या ग्रीर प्रविध्टि रखी जाएगी, ग्रार्थातु .--

"4. श्री एम० एम० लाल.

परामर्गी.

राष्ट्रीय स्रीद्योगिक विकास विभागः यशवंद प्लेगः, चाणक्यपुरीः, नई दिल्ली-110021

[फा॰ स॰ 2/16/73—सी॰ **यू॰** मी॰]

डी० के० सक्सना संयुक्त मध्विय ।